जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 107
दिनांक 13.06.2023

कृषि के क्षेत्र में देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में जनेकृविवि की महत्वपूर्ण भूमिका– कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा

जनेकृविवि में जवाहर आर–एबीआई कोहोर्ट 5.0 का एग्रीप्रेन्योरशिप एंड इनक्यूबेशन प्रोग्राम का आयोजन
5 राज्यो के 26 जिलों के 45 कृषि उद्यमी हुये शामिल

जबलपुर 13 जून, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय, डॉ. धीरेन्द्र खरे की अध्यक्षता में जवाहर आर–एबीआई कोहोर्ट 5.0 का एग्रीप्रेन्योरशिप एंड इनक्यूबेशन प्रोग्राम का आयोजन आईएबीएम के कौटिल्य सभागार में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) के डायरेक्टर डॉ. मोनी थॉमस ने स्वागत उद्बोधन एवं कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि क्षेत्र में भविष्य के विकास के क्षेत्र में सेकेण्डरी एग्रीकल्चर अर्थात मूल्य संवर्धन, एकेजिंग एवं प्रोसेसिंग से ग्रामीण रोजगार के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को सृदृढ़ बनाने की दिशा में जनेकृविवि प्रमुख भूमिका निभा रहा है। आपने कहा कि सफल उद्यमी बनने के लिये कड़ी मेहनत और लगन के साथ कार्य करना होगा। नये–नये आईडियाज के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के उद्यमियों को प्रमोट किया जाये और इसके लिये उन्हें तकनीकी और अन्य प्रकार की सहायता विश्वविद्यालय के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा प्राप्त होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधिष्ठाता कृषि संकाय, डॉ. धीरेन्द्र खरे ने कहा कि अगर उद्यमी, आम किसानों की समस्याओं के निराकरण करने में मदद करेंगे तो इसका लाभ किसानों को अधिक मिलेगा। आज हमारे पास ऐसे कृषि उद्यमी हैं, जो कि बहुत ही महत्वपूर्ण उत्पाद एवं मशीनरी तैयार किये हैं जो कि किसानों के लिये मददगार साबित होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिये कृषि के क्षेत्र में निश्चित रूप से बदलाव की जरूरत है। क्योंकि चीन, यूरोप सहित अन्य दूसरे देशों में कृषि का पूरा प्रोड्यूज बदल गया है, और इसमें सबसे ज्यादा स्टार्टअप्स से संभावना हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि स्टार्टअप्स की गतिविधियों से किसानों में उत्साह बढ़ता है। 18 कृषि विज्ञान केन्द्रों से स्टार्टअप्स वाले किसानों की भागेदारी हुई है। जनेकृविवि का यह एक छोटा सा प्रयास है जो भारत की उन्नति और प्रगति में कारगर सिद्ध होगा है।

जवाहर आर–एबीआई कोहोर्ट 5.0 का एग्रीप्रेन्योरशिप एंड इनक्यूबेशन प्रोग्राम में 5 राज्यो मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान, उड़ीसा के 26 जिलों के कृषि उद्यमी शामिल हैं। जिसमें पुरूष कृषि उद्यमी 37 और महिला कृषि उद्यमी 08 हैं। कार्यक्रम में सभी उपस्थित कृषि उद्यमियों ने अपना परिचय दिया। कार्यक्रम में उद्यमियों द्वारा शेल्फ जीवन में सुधार उत्पादों, कृषि में सुधार के लिये मशीनें, जैविक खाद, स्वस्थ पेय, बाजरा का मूल्यवर्धन, वैकल्पिक ऊर्जा आधारित जल पंप, ड्रोन घटक, मिट्टी का फ्रिज,गन्ना जूस मशीन सहित अन्य स्टार्टटप्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई जो कि आकर्षण का केन्द्र रही। प्रदर्शनी का मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. पीके मिश्रा ने फीता काटकर उद्घाटन किया एवं अवलोकन किया। कार्यक्रम में उत्थानम 0.4 की पुस्तिका का विमोचन भी कुलपति डॉ. मिश्रा सहित अन्य अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संचालन छात्रा नेहा कुमारी एवं आभार प्रदर्शन डॉ. लवीना शर्मा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान, उपलेखा नियंत्रक डॉ. अजय खरे, उपकुलसिचव डॉ. टी.आर.शर्मा, डॉ. आर.के. समैया, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस.शुक्ला, डॉ. पी.एस. कुल्हारे, डॉ. जयंत भट्ट, डॉ.एस.बी. नाहतकर, डॉ. एस.बी.दास, आईएबीएम के डायरेक्टर डॉ. मोनी थॉमस सहित अन्य वैज्ञानिकों, अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. अनुपमा वर्मा, डॉ. लवीना शर्मा, श्रीमति लक्ष्मी सिंह, डॉ. हेमंत रहांगडाले, डॉ. दीपक पाल, श्री जय वर्मा, श्री लवकेश पटेल, श्री दीपांशु पटेल आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।